डीडब्ल्यूईडी

# महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम (डी.डब्ल्यू.ई.डी.)

## सत्रीय कार्य 1 से 4

## जुलाई 2015 एवं जनवरी 2016 सत्रों में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

**जमा कराने की अंतिम तिथि**

जुलाई 2015 सत्र : 1 फरवरी, 2016
जनवरी 2016 सत्र : 1 अगस्त, 2016

**जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य (बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002)**
**सत्रीय कार्य 1**

**संगठन और नेतृत्व (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–006)**
**सत्रीय कार्य 2**

**कार्य और उद्यमशीलता (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007)**
**सत्रीय कार्य 3**

**ऋण और वित्त (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008)**
**सत्रीय कार्य 4**

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय
जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

# महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम

**कार्यक्रम कोड : डी.डब्ल्यू.ई.डी.**

प्रिय विद्यार्थी,

आशा है कि अध्ययन के ये पाठ्यक्रम आपको रुचिकर लग रहे होंगे। सत्रीय कार्यों को एक–एक के आधार पर सही तरीके से करने के लिए निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

## निर्देश

सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :

1) कार्यक्रम दर्शिका में सत्रीय कार्यों के बारे में दिए गए विस्तृत निर्देशों को पढ़िए।

2) अपने उत्तर पत्रक (पत्रकों) के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर दाहिने कोने पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और तारीख लिखें।

3) अपने उत्तर पत्रक (पत्रकों) के पहले पृष्ठ के मध्य में पाठ्यक्रम शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखें, जिससे आप संबद्ध हैं।

आपके उत्तर पत्रक के पहले पृष्ठ का सबसे ऊपरी भाग ऐसा होना चाहिए :

---

पाठ्यक्रम का शीर्षक ..... नामांकन संख्या .....

सत्रीय कार्य संख्या ..... नाम .....

अध्ययन केंद्र ..... पता .....

.....

तारीख .....

---

4) अपना उत्तर लिखने के लिए केवल फुलस्केप कागज का प्रयोग करें और सभी पृष्ठों को सावधानीपूर्वक बाँध दें।

5) प्रत्येक उत्तर के साथ उसकी प्रश्न संख्या लिखें।

6) अपना उत्तर अपनी लिखावट में ही लिखें।

7) प्रस्तुतिः सत्रीय कार्य को पूरा करके उसे अपने अध्ययन केंद्र के संचालक को भेजें।

**विशेष ध्यान देने योग्य बात :**

देखने में आया है कि कुछ छात्र बोध प्र"नों के अभ्यासों के उत्तर वि"वविद्यालय को मूल्यांकन के लिए भेज रहे हैं। कृपया ऐसा मत कीजिए। ये अभ्यास रूपी प्र"न आपको स्वयं अपनी प्रगति का निर्णय करने में सहायता करने के लिए दिए गए हैं। इस उद्दे"य के लिए हमने प्रत्येक इकाई के अंत में इनके उत्तर दिए हैं।

अपने उत्तर पत्रक भेजने से पहले कृपया यह सुनि"चत कर लें कि आपने निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा है :

- आपने अपनी नामांकन संख्या, नाम और पता सही–सही लिखा है या नहीं।
- पाठ्यक्रम का शीर्षक और सत्रीय कार्य की संख्या स्पष्ट रूप से लिखी हैं या नहीं।
- प्रत्येक पाठ्यक्रम का प्रत्येक सत्रीय कार्य अलग–अलग पत्रकों/"ाीटों पर लिखा है या नहीं और उन्हें सही ढंग से बाँध दिया है या नहीं।
- सत्रीय कार्यों के सभी प्र"नों के उत्तर लिख दिए हैं या नहीं।

अब प्र"नों के उत्तर देने से पहले यह निर्दे"ा पढ़ लें।

## ध्यान रखने योग्य बिंदु

निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना, आपके लिए उपयोगी होगा :

1) **योजना बनाना** : सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रत्येक प्र"न के संबंध में कुछ बातें नोट कर लें और तत्प"चात् उन्हें तर्कसंगत सुसंगत तरीके से व्यवस्थित करें।

2) **व्यवस्थापन** : अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और वि"लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्र"न का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। प्रस्तावना में संक्षेप में प्र"न की व्याख्या करें और बताएँ कि आप विस्तार से इसे कैसे स्पष्ट करेंगे। निष्कर्ष में आपके प्र"न के उत्तर की प्रस्तुति अपेक्षित है।

**यह सुनिश्चित करें कि :**

क) आपका उत्तर विवेकपूर्ण और सुसंगत है

ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संबंध है

ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा है

3) **प्रस्तुति** : जब आपको अपने उत्तर संतोषजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित करें।

# जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य

## (बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002)
## सत्रीय कार्य 1
## (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

**पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002**
**सत्रीय कार्य कोड : बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002/टीएमए–1/15–16**
**कुल अंक : 100**

**सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. जेंडर प्रशिक्षण की प्रासंगिकता की चर्चा, उदाहरण देते हुए कीजिए। (10)

2. जेंडर प्रशिक्षण हेतु, आपके द्वारा चयनित किन्हीं दो सहभागितापरक विधियों की चर्चा कीजिए। चयनित विधियों के संदर्भ में विषयवस्तु की पहचान कीजिए। (10)

3. किन्हीं पाँच स्थितियों की पहचान कीजिए जिनके अंतर्गत जेंडर प्रशिक्षण के संवर्धन या इसे बेहतर बनाने हेतु प्रक्षिप्त सहायक सामग्रियों का इस्तेमाल आपके लिए सहायक हो सकता है। (10)

4. किसी ग्रामीण क्षेत्र में प्रशिक्षण सत्र का आयोजन करते समय, किन कारकों को ध्यान में रखना जरूरी है? उचित उदाहरण देते हुए लिखिए। (10)

5. किन्हीं तीन पीआरए विधियों की चर्चा, विशेषरूप से महिला समूहों के प्रशिक्षण में इनके अनुप्रयोग को ध्यान में रखते हुए कीजिए। (10)

6. महिला स्व सहायता समूह सदस्यों के लिए जेंडर प्रशिक्षण सत्र की योजना आप कैसे बनायेंगे? प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए उचित उदाहरण दीजिए। (10)

7. द्वंद्व निपटान की कार्यनीतियों का वर्णन, सहभागियों के समस्यापरक व्यवहारों से निपटने की कार्यनीतियों का उदाहरण देते हुए कीजिए। (10)

8. पुत्र तरजीह के बारे में अभिवृत्ति (attitude) पहचानने पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र हेतु साधारण सत्र योजना की प्रस्तुत कीजिए। (10)

9. जोहरी खिड़की के बारे में सविस्तार लिखिए। क्या आपकी राय में महिलाओं के लिए व्यक्ति–विशेष या समूह परामर्श सत्रों के आयोजन में इसका अनुप्रयोग संभव है। (10)

10. जेंडर प्रशिक्षण किन पाँच तरीकों से महिला सशक्तिकरण और विकास में योगदान दे सकता है? वर्णन कीजिए। (10)

# संगठन और नेतृत्व
# (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–006)
# सत्रीय कार्य 2
# (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

**पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–006**
**सत्रीय कार्य कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–006/टीएमए–1/15–16**

**कुल अंक : 100**

**सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1 से 5 तक के प्रश्न दस–दस अंक के हैं। प्रश्न 6 के 50 अंक हैं और इसका उत्तर देने के लिए आपको व्यावहारिक रूप से उन सिद्धांतों को लागू करना होगा जिनका अध्ययन आपने पाठ्यक्रम की प्रशिक्षण इकाइयों में किया है।**

1. स्व सहायता समूहों के महिला सदस्यों को संगठन के विविध पहलुओं में प्रशिक्षित क्यों किया जाना चाहिए? (10)

2. स्व सहायता समूहों में महिला लीडरों के संवर्धन पर आयोजित जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम में आप किन विषयवस्तुओं को सम्मिलित करेंगे? सूची बनाइए। (10)

3. महिला स्व–सहायता समूहों में लीडरों की क्षमताओं को बेहतर बनाने के संबंध में सहभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए, आपके द्वारा प्रयुक्त प्रशिक्षण सहायक सामग्रियों की पहचान कीजिए। (10)

4. सहकारी समितियों में महिला सहभागिता को बढ़ावा देने पर महत्व को बढ़ाने पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आप कौन सी विधियों को अपनायेंगे? किसी एक विधि को सविस्तार लिखिए। (10)

5. सूक्ष्म ऋण एवं सूक्ष्म उद्यम से संबद्ध स्व सहायता समूहों के क्रियाकलापों में सर्व सदस्यीय सहभागिता के महत्व को बढ़ाने की कार्यनीतियों का सुझाव दीजिए। (10)

6. स्व सहायता समूहों की महिला लीडरों के लिए स्व सहायता समूह प्रबंधन आधारित प्रशिक्षण सत्र की योजना तैयार कीजिए। अपने लक्ष्य समूह, समय योजना, प्रशिक्षण सामग्री एवं विधियों की पहचान कीजिए। अपने प्रशिक्षणार्थियों में परिचालित करने हेतु प्रासंगिक पृष्ठभूमि सामग्री एकत्र कीजिए। सत्र के लिए अपनी कार्ययोजना और तैयारी का ब्यौरा देते हुए, बताइए कि आप सत्र का संचालन कैसे करेंगे। (50)

# कार्य और उद्यमशीलता

## (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007)

## सत्रीय कार्य 3

## (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

**पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007**
**सत्रीय कार्य कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007/टीएमए–1/15–16**

**कुल अंक : 100**

**सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1 से 5 तक के प्रश्न दस–दस अंक के हैं। प्रश्न 6 के 50 अंक हैं और इसका उत्तर देने के लिए आपको व्यावहारिक रूप से उन सिद्धांतों को लागू करना होगा जिनका अध्ययन आपने पाठ्यक्रम की प्रशिक्षण इकाइयों में किया है।**

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागियों को गैर–औपचारिक, असंगठित क्षेत्र में महिलाओं के कामकाजी बोझ के महत्व को स्वीकारने के योग्य बनाने के लिए कौन सा दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए? सविस्तार लिखिए। (10)

2. उद्यमशीलता संबंध कौशलों और सक्षमताओं की पहचान करने और इनके महत्व को बढ़ाने पर आयोजित जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम में आप किन विषयवस्तुओं को सम्मिलित करेंगे? सूची बनाइए। (10)

3. महिला उद्यमियों के सम्मुख आने वाले अवरोधों को दूर करने हेतु सहभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए आप किन प्रशिक्षण सहायक सामग्रियों का इस्तेमाल करेंगे? पहचान कीजिए। (10)

4. महिला उद्यमी उपलब्धि और अभिप्रेरण पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र के लिए आप कौन सी विधियों का प्रयोग करेंगे? किसी एक विधि को सविस्तार लिखिए। (10)

5. महिला प्रबंधकों/कामगारों के बारे में आमतौर पर कौन सी गलत धारणाएं विद्यमान हैं? इन्हें कैसे नियंत्रित किया जा सकता है? (10)

6. महिला उद्यमियों के लिए उद्यमों की योजना बनाने पर आधारित प्रशिक्षण सत्र की योजना तैयार कीजिए। अपने लक्ष्य समूह, समय योजना, प्रशिक्षण सामग्री एवं विधियों की पहचान कीजिए। अपने प्रशिक्षणार्थियों में परिचालित करने हेतु पृष्ठभूमि सामग्री एकत्र कीजिए। सत्र के लिए अपनी कार्ययोजना और तैयारी का ब्यौरा देते हुए, बताइए कि आप सत्र का संचालन कैसे करेंगे। (50)

# ऋण और वित्त

## (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008)

## सत्रीय कार्य 4

## (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

**पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008**
**सत्रीय कार्य कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008/टीएमए–1/15–16**

**कुल अंक : 100**

**सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1 से 5 तक के प्रश्न दस–दस अंक के हैं। प्रश्न 6 के 50 अंक हैं और इसका उत्तर देने के लिए आपको व्यावहारिक रूप से उन सिद्धांतों को लागू करना होगा जिनका अध्ययन आपने पाठ्यक्रम की प्रशिक्षण इकाइयों में किया है।**

1. परिक्रामी ऋण और इसके प्रबंधन के बारे में, स्व सहायता समूहों की महिला सदस्यों को प्रशिक्षित करना क्यों जरूरी है? सविस्तार लिखिए। (10)

2. महिला समूहों को ऋण देने वाले सूक्ष्मवित्त संस्थानों पर आयोजित जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम में आप किन विषयवस्तुओं को सम्मिलित करेंगे? सूची बनाइए। (10)

3. स्व–सहायता समूहों को निरंतर बनाए रखने के संबंध में सहभागियों को प्रशिक्षण देते समय आप किन प्रशिक्षण सहायक सामग्रियों का प्रयोग करेंगे? पहचान कीजिए। (10)

4. ऋण वितरण हेतु मानदंडों के निर्धारण पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र के लिए आप किन कार्यपद्धतियों को अपनायेंगे? किसी एक कार्यपद्धति को सविस्तार लिखिए। (10)

5. खासतौर पर निर्धन महिलाओं के लिए सूक्ष्मऋण क्यों जरूरी है? अपने उत्तर की पुष्टि कारण बताते हुए कीजिए। (10)

6. महिला स्व सहायता समूहों को ऋण प्रदान करने में सरकारी, गैर–सरकारी संगठनों और बैंकों के बीच की कड़ियों पर प्रशिक्षण सत्र हेतु योजना तैयार कीजिए। अपने लक्ष्य समूह, समय योजना, प्रशिक्षण सामग्री एवं संबद्ध विधियों की पहचान कीजिए। अपने प्रशिक्षणार्थियों में परिचालित करने हेतु प्रासंगिक पृष्ठभूमि सामग्री एकत्र कीजिए और उन बिंदुओं का वर्णन कीजिए जिन पर आप ज़ोर देना चाहेंगे। सत्र के लिए अपनी कार्ययोजना और तैयारी का ब्यौरा देते हुए, बताइए कि आप सत्र का संचालन कैसे करेंगे। (50)

# इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
## सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
## सामाजशास्त्र संकाय
## महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम
## बी.डब्ल्यू.ई.ई.–004 : महिला सशक्तिकरण हेतु कार्यनीतियाँ
## (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

**कार्यक्रम कोर्ड : डीडब्ल्यूईडी**
**पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–004**
**सत्रीय कार्य कोड : बीडब्ल्यूईई 004/सत्रीय कार्य–01/टीएमए–2015–16**

**कुल अंक : 100**
**अधिभारिता : 30%**

**किन्हीं चार प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।**

1. समाज में महिला–अधीनता की अधीन स्थिति के विविध संस्थागत एवं सैद्धांतिक आधारों पर संक्षेप में नोट लिखिए। अपने तर्क की पुष्टि, उदाहरण देकर कीजिए। 25

2. सामाजिक–आर्थिक प्रक्रिया के रूप में स"ाक्तिकरण समाज में महिलाओं की अधीन स्थिति को ध्वस्त करने में कैसे सहायक होता है? उदाहरण देकर समझाइए। 25

3. स"ाक्तिकरण से जुड़े विविध दृष्टिकोणों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 25

4. आपके समाज में महिला स"ाक्तिकरण हेतु इन्हें संगठित करने के लिए गैर राज्य एजेंसियों द्वारा प्रयुक्त विविध कार्यनीतियों की चर्चा कीजिए। 25

5. चिपको आंदोलन में महिलाओं की भूमिकाओं की चर्चा कीजिए। 25

6. साक्षरता, महिला स"ाक्तिकरण हेतु सर्वाधिक कारगर साधन है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 25

7. भारत में महिला स"ाक्तिकरण के संबंध में पंचायती राज संस्थानों की चर्चा कीजिए। 25

8. भारतीय समाज में महिला स"ाक्तिकरण हेतु कानूनी हस्तक्षेपों से जुड़ी सीमाएं कौन सी हैं? 25

# इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
## सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
## समाजशास्त्र संकाय
## महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम
## बी.डब्ल्यू.ई.ई.–005 : महिलाएं एवं विकास
## (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

**कार्यक्रम कोर्ड : डीडब्ल्यूईडी**
**पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–005**
**सत्रीय कार्य कोड : बीडब्ल्यूईई 005/सत्रीय कार्य–01/टीएमए–2015–16**

**कुल अंक : 100**
**अधिभारिता : 30%**

**किन्हीं चार प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।**

1. महिला विकास के परिप्रेक्ष्य में समीक्षा लिखिए। 25

2. समकालीन भारत में महिलाओं के व्यावसायिक पैटर्नों की रूपरेखा की संक्षेप में प्रस्तुति कीजिए। 25

3. विकास को केवल बुनियादी स्तर के संगठनों में महिला सहभागिता के जरिए ही कायम रखा जा सकता है। व्याख्या कीजिए। 25

4. सहभागितापरक विकास के महत्व एवं सीमाओं को लिखिए। अपना उत्तर उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए। 25

5. महिला रोज़गार पर उच्च कृषि प्रौद्योगिकी के प्रभावों का वर्णन कीजिए। 25

6. महिलाओं की विकास में सदैव अहम् भूमिका रही है। उदाहरण देते हुए समझाइए। 25

7. भारत में महिलाओं पर श्वेत क्रांति के प्रभाव की जाँच कीजिए। 25

8. महिला कार्य सहभागिता पर वै"वीकरण के प्रभावों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 25

9. अपने अनुभव के आधार पर पुरुष प्रधानता के प्रति महिला प्रतिरोधकता पर केस अध्ययन लिखिए। 25

# इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
## सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
## समाजशास्त्र संकाय
## महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम
## बी.डब्ल्यू.ई.ई.–012
## महिलाएं एवं समाज : वैश्विक सरोकार एवं स्थानीय मुद्दे
## (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

**कार्यक्रम कोर्ड : डीडब्ल्यूईडी**
**पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–012**
**सत्रीय कार्य कोड : बीडब्ल्यूईई 012/सत्रीय कार्य–01/टीएमए–2015–16**

**कुल अंक : 100**
**अधिभारिता : 30%**

**किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।**

1. पितृतंत्र से आप क्या समझते हैं? पितृतंत्र की चर्चा, एक विचारधारा के रूप में कीजिए। 25

2. अर्थव्यवस्था के असंगठित क्षेत्र में महिला कामगारों द्वारा सामना की जाने वाली विविध समस्याओं का वर्णन कीजिए। 25

3. ग्रामीण भारत में महिला कार्य सहभागिता के पैटर्नों की चर्चा कीजिए। 25

4. महिला स"ाक्तीकरण के संबंध में अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की भूमिकाओं की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25

5. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियाँ, भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति को कैसे प्रभावित करती हैं? 25

6. श्रम विभाजन से आप क्या समझते हैं? भारत में महिलाओं के संबंध में श्रम के स्त्री–पुरुष विभाजन संबंधी निहितार्थों का वर्णन कीजिए। 25

7. भारत में स्त्री–पुरुष समानता हेतु सांविधानिक प्रावधानों की चर्चा कीजिए। इनका प्रभावी कार्यान्वयन कैसे संभव है? 25

8. संगठित क्षेत्र में महिला कार्य सहभागिता को नियंत्रित करने वाले श्रम संबंधी विविध कानूनों का वर्णन कीजिए। 25

9. भारत में महिला स"ाक्तिकरण के लिए सिविल समाज की विविध पहलों की चर्चा, उदाहरण देते हुए कीजिए। 25